

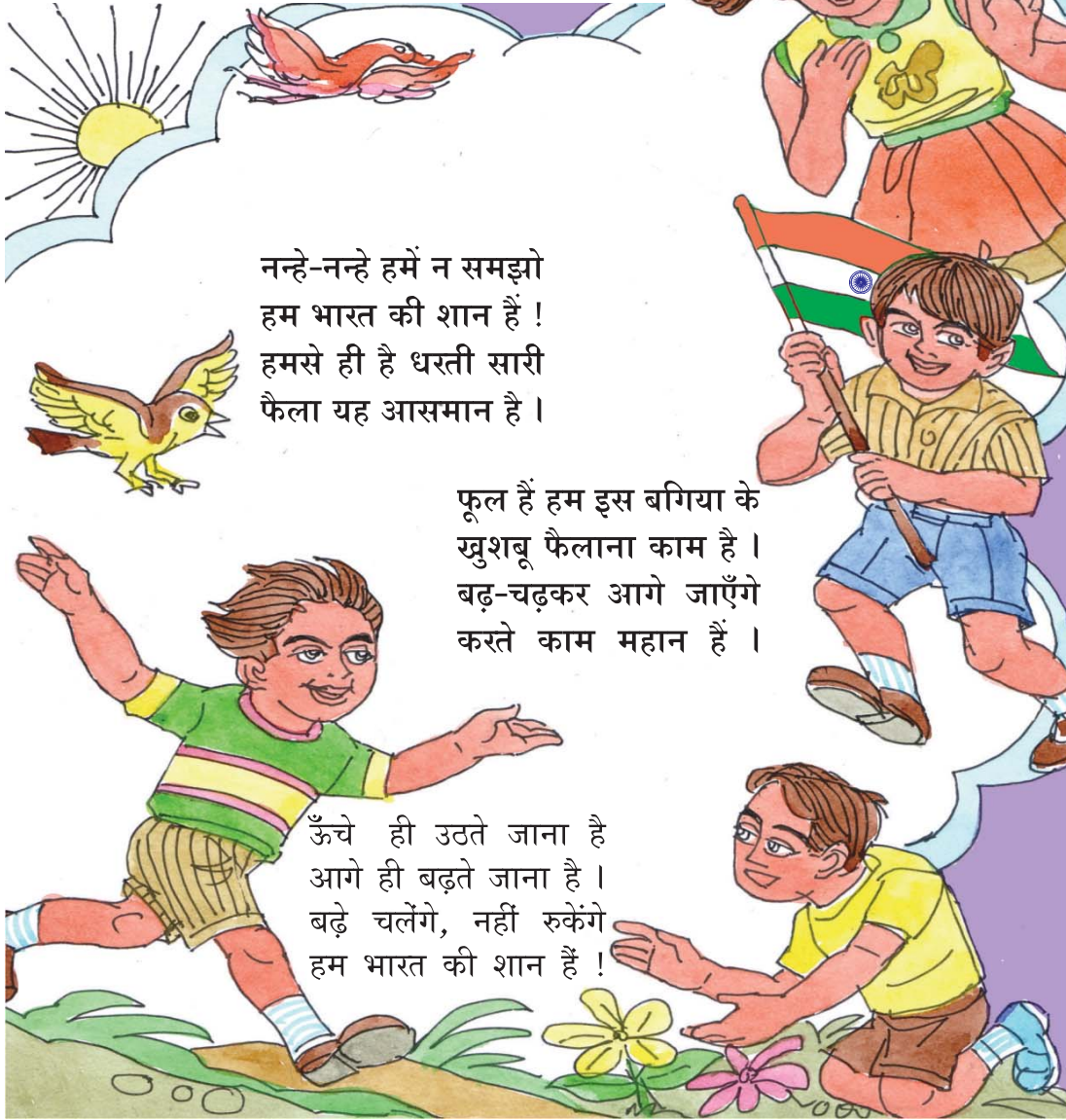


K4K3P7

14

हम भारत की शान हैं !

बच्चे देश का भविष्य हैं। वे हमारे देश की शान हैं। इस कविता में बच्चे बता रहे हैं कि वे कैसे-कैसे काम करके देश को आगे बढ़ाएँगे।



नन्हे-नन्हे हमें न समझो
हम भारत की शान हैं !
हमसे ही है धरती सारी
फैला यह आसमान है।

फूल हैं हम इस बगिया के
खुशबू फैलाना काम है।
बढ़-चढ़कर आगे जाएँगे
करते काम महान हैं।

ऊँचे ही उठते जाना है
आगे ही बढ़ते जाना है।
बढ़े चलेंगे, नहीं रुकेंगे
हम भारत की शान हैं !



शब्दार्थ

बगिया बगीचा शान प्रतिष्ठा खुशबू सुगंध आसमान आकाश



अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों से उदाहरण के अनुसार एक वाक्य बनाइए :

उदा. आसमान : बादल आसमान में छाए हैं।

बादल आकाश में छाए हैं।

(1) धरती : धरती पर हरियाली छा गई।

(2) बगिया : बगिया में गुलाब के फूल हैं।

(3) शान : बच्चे देश की शान हैं।

2. (अ) इस कविता में बच्चे देश की शान बढ़ाने के लिए क्या करेंगे - यह बताया है। आप भी देश की शान बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ करने को सोचते होंगे। लिखिए कि आप देश की तरक्की के लिए क्या-क्या करेंगे ?

(ब) सोचिए और लिखिए :

हम देश की सेवा किस-किस प्रकार से कर सकते हैं ?

3. काव्य का सामूहिक एवं व्यक्तिगत गान कीजिए।

4. रेखांकित शब्दों पर स्वरभार देकर वाक्य पढ़िए।

(1) मेरा विद्यालय सुंदर है।

मेरा विद्यालय सुंदर है।

मेरा विद्यालय सुंदर है।

(2) अंबाजी में माताजी का बहुत बड़ा मंदिर है।

अंबाजी में माताजी का बहुत बड़ा मंदिर है।

अंबाजी में माताजी का बहुत बड़ा मंदिर है।

हम भारत की शान हैं।

98

हिन्दी (द्वितीय भाषा)



स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

- (1) भारतमाता की शान कौन है ?
- (2) बगिया में खुशबू कौन फैलाता है ?
- (3) हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं ?
- (4) हमारे देश का भविष्य कौन है ?

योग्यता-विस्तार

पहचान कर नाम लिखिए और इनके बारे में पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त कीजिए :

